भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 6023

(दिनांक 01.04.2026 को उत्तर देने के लिए)

ऑरेंज इकोनॉमी पहल

6023. श्रीमती कृति देवी देबबर्मनः

श्री इटेला राजेंदरः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में उल्लिखित ऑरेंज इकोनॉमी पहलों जैसे कि 15,000 माध्यमिक विद्यालयों में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना, को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एवीजीसी क्षेत्र एक बढ़ता हुआ उद्योग होने के कारण इसमें वर्ष 2030 तक 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) हाल ही में शुरू किए गए वेवएक्स स्टार्टअप एक्सेलेरेटर ने एआई-चालित एनीमेशन और गेमिंग के लिए वैश्विक आईपी (बौद्धिक संपदा) अधिकार प्राप्त करने में 51 मीडिया-टेक स्टार्टअप के पहले समूह की किस प्रकार सहायता की है;

(घ) क्या सरकार ने मुंबई में एवीजीसी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र (एनसीओई) की स्थापना को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हां, तो वर्ष एक के छात्रों को दाखिला देने के लिए इसकी अनुमानित क्षमता का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वैश्विक ओटीटी प्लेटफार्मों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए टियर-।। और टियर-III शहरों के जमीनी स्तर के विषय-वस्तु निर्माताओं की पहचान करने और उन्हें वित्तपोषित करने के लिए वर्ष 2026 में 'क्रिएट इन इंडिया' चैलेंज का किस प्रकार उपयोग किया जा रहा है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ङ): सरकार एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र सहित मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। ऑरेंज इकोनॉमी को सुदृढ़ करने और भारत को कंटेंट निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की सरकार की परिकल्पना के अंतर्गत अनेक पहलें शुरू की गई हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई घोषणा के अनुसार, देश भर के 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स (सीसीएल) स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस पहल के लिए 250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के लिए एनसीओई के रूप में आईआईसीटी वर्तमान में जुलाई 2025 से आईआईसीटी-राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) परिसर, मुंबई से कार्य कर रहा है। वर्तमान में, 18 पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिसमें 136 छात्र नामांकित हैं और 15 प्रतिभागियों ने ट्रेन-द-ट्रेनर कार्यक्रम पूरा कर लिया है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी), मुंबई को कंटेंट क्रिएटर्स लैब्स की योजना, समन्वय और चरणबद्ध कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। प्रौद्योगिकी स्टैक, लाभार्थी संस्थानों की पहचान और कार्यान्वयन पद्धतियों से संबंधित हितधारक परामर्श चल रहे हैं।

एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के प्रचार और विकास के लिए एक व्यापक कार्यनीति तैयार करने और नीतिगत उपायों की सिफारिश करने के लिए सरकार द्वारा अप्रैल 2022 में एवीजीसी प्रमोशन टास्क फोर्स का गठन किया गया था। इसने दिसंबर 2022 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार अवसर सृजित करेगा और 2030 तक एवीजीसी-एक्सआर, सामग्री निर्माण, डिजाइन, प्रोग्रामिंग और संबंधित क्षेत्रों में लगभग दो मिलियन कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।

सरकार ने मुंबई में वर्ल्ड आडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स 2025) का आयोजन किया। यह "क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड" पहल के तहत भारत को सामग्री निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के सरकार की परिकल्पना के अनुरूप था। शिखर सम्मेलन ने भारतीय निर्माताओं, उत्पादकों और स्टार्टअप्स को 100 से अधिक देशों के वैश्विक खरीदारों, निवेशकों, ओटीटी प्लेटफार्मों और प्रौद्योगिकी नेताओं के साथ जुड़ने के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान किया।

वेव एक्स स्टार्टअप एक्सेलरेटर कार्यक्रम', जिसे वेव्स के अंतर्गत शुरू किया गया, ने मीडिया-टेक स्टार्टअप्स को संरचित इनक्यूबेशन, मार्गदर्शन तथा वैश्विक नेटवर्क तक पहुंच प्रदान कर समर्थन दिया है। पहले बैच के स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन, निवेशकों से संपर्क, बौद्धिक संपदा के सृजन एवं संरक्षण में सहायता प्रदान की गई है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मंचों में भागीदारी, उद्योग साझेदारी तथा वैश्विक बाजारों से जुड़ाव भी सुनिश्चित करता है, जिससे स्टार्टअप्स अपने नवाचार को विस्तार दे सकें।

‘क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी)’ का उपयोग मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में रचनात्मक प्रतिभाओं की पहचान, संवर्धन और प्रदर्शन के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में किया जा रहा है। सीआईसी के प्रथम चरण में उद्योग साझेदारों के सहयोग से 33 चुनौतियों का आयोजन किया गया, जिसका समापन वेव्स 2025 में हुआ। इस शिखर सम्मेलन में देश के टियर-II और टियर-III शहरों सहित एक लाख से अधिक रचनाकारों ने भाग लिया। चयनित रचनाकारों को वेव एक्स और वेव्स बाज़ार जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सामग्री प्रस्तुत करने हेतु सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

*****